टेलीफिल्में बनाने के लिए फिल्म निर्माताओं के साथ किये गये अनुबन्ध

1410. **श्री कपिल वर्मा :**

श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की करेंगे कि :

(क) कितनी फिल्मों के लिए अनुबन्ध किये गये हैं ;

(ख) दूरदर्शन द्वारा टेलीफिल्म बनाने की योजना के अन्तर्गत बनायी गयी फिल्मों के निर्माताओं के नाम क्या हैं जिनका प्रसारण किया जा चुका है ;

(ग) क्या यह सच है कि दूरदर्शन ने 35 मिलीमीटर की व्यावसायिक फिल्में बनाने के लिए पांच प्रमुख फिल्म निर्माताओं को अनुबंधित किया है ; यदि हां, तो उन फिल्म-निर्माताओं के नाम क्या हैं और बनायी गयी टेलीफिल्मों का ब्यौरा क्या है और उन्हें कितनी अनुदान राशि प्रदान की गयी ;

(घ) क्या यह भी सच है कि दूरदर्शन और राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम संयुक्त रूप से फिल्में बनाते हैं ; और

(ङ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इस प्रयोजन के लिए कितनी अनुदान राशि प्रदान की गयी ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) दूरदर्शन ने अधिकृत (कमीशन्ड) स्कीम के अन्तर्गत टेलीफिल्म के निर्माण के लिए बाहरी निर्माताओं के साथ 123 अनुबंध किये ।

(ख) इस स्कीम के अधीन निर्मित और दूरदर्शन पर प्रसारित टेली फिल्मों के नाम विवरण में दिये गये हैं। **(नीचे देखिए)**

(ग) जी हां । पांच प्रमुख निर्माताओं के नाम जिन्हें फीचर फिल्मों के निर्माण का काम सौंपा गया था, फिल्मों के नामों और निर्माण के लिए स्वीकृत धनराशि का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

निर्माता का नाम	फिल्म का नाम	स्वीकृत धनराशि
1. श्री अमोल पालेकर . . .	थोड़ा सा रूमानी हो जाएं	26,66,000/–रुपये
2. श्री सावन कुमार टाक . .	प्रेमदान	22,00,000/– रुपये
3. श्री बासु चटर्जी . . .	हमारी शादी	15,00,000/– रुपये
4. श्री महेश भट्ट . . .	डैडी	22,00,000/– रुपये
5. श्री सुब्रोतो बोस . . .	सुर असुर	22,00,000/– रुपये

(घ) और (ङ) जी हां, दूरदर्शन और रा०फि०वि०नि० के बीच हुए करार के अधीन दूरदर्शन ने निगम को 1986–87 में 94.00 लाख रुपये और 1987–88 में 54.00 लाख रुपये की धन राशि अन्तरित की थी ।

विवरण

क्रम संख्या	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कमी-शन्ड धारावाहिक
1.	सद्गति
2.	दा
3.	जेवर
4.	तसवीर अपनी-अपनी
5.	आदमी और औरत
6.	गोकुल
7.	रंग
8.	दिल एक मुसाफिर
9.	कागज की नाव
10.	वक्त की आवाज
11.	न भूले हैं न भूलेंगे
12.	खामोशी के दायरे
13.	सौगात
14.	सौपान
15.	आरती
16.	पिकनिक
17.	देना पावना
18.	मैली सुगन्ध
19.	अकांक्षा
20.	बन्नड़ बेप
21.	जहर-ए-इश्क
22.	इन व्हिच एन्नी गिब्स इट दोज आन
23.	दासी
24.	दूसरा कदम
25.	टू टू
26.	दीदी
27.	शीमाना
28.	विवेक
29.	रिश्ते
30.	छउआ
31.	थारासु
32.	संदेश
33.	आखिरी खबर
34.	एक साधारण आदमी
35.	नया जीवन
36.	महेक

आकाशवाणी और दूरदर्शन की विश्वसनीयता

1411. **श्रीमती वीणा वर्मा :**

श्री कपिल वर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी और दूरदर्शन की विश्वसनीयता कम होती जा रही है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या यह सच है कि जब कोई राष्ट्रीय समस्या उत्पन्न होती है तो लोग वास्तविकता जानने के लिए बी०बी०सी० और अन्य विदेशी एजेंसियों को सुनते हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा इस दिशा में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) जी नहीं।

(ख) यह सवाल पैदा ही नहीं होता।

(ग) और (घ) आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह सतत प्रयास है कि समाचारों को समाचार नीति और मार्ग-निर्देशों के अनुसार, समाचारिकता और समाचारिक महत्व को देखते हुए प्रस्तुत किया जाय।

दूरदर्शन के विज्ञापनों का जनता के लिए उपयोगी न होना

1412. **श्री कपिल वर्मा :**

श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विज्ञापन दूरदर्शन की आय का प्रमुख स्रोत है ;